अंक 12 माहः जुलाई 2025

विश्वत

मासिक पत्रिका

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
Madhya Pradesh, Khandwa AN AISECT GROUP UNIVERSITY

विश्वविद्यालय मासिक पत्रिका

"ऊर्जस्वला वर्चस्वला अतिनिष्चला विजये
We are Energetic, Influential and are Always Committed"

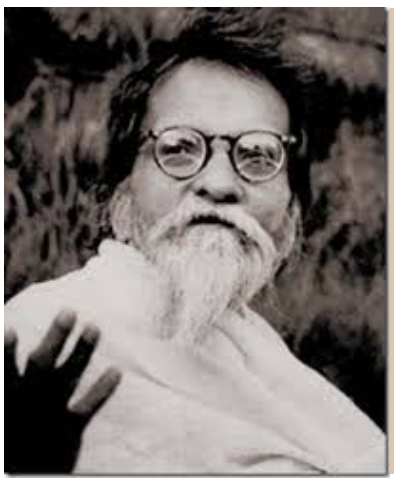

मास का सूत्र

" नेतृत्व वही है, जो दूसरों को साथ लेकर चल सके। "

:- विनोबा भावे

संपादकीय

नेतृत्वशाला: भविष्य के पथप्रदर्शकों की पाठशाला

आज के बदलते सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में नेतृत्व केवल एक पद या अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी, दृष्टि और सेवा का नाम है। इसी संदर्भ में "नेतृत्वशाला" का महत्व और भी बढ़ जाता है — एक ऐसी प्रयोगशाला जहाँ व्यक्तित्व का निर्माण होता है, सोच को दिशा मिलती है और कार्य को उद्देश्य।

नेतृत्वशाला का मूल आधार है अन्तःजनित विकास — यानी नेतृत्व की यात्रा भीतर से शुरू होती है। जब व्यक्ति अपने विचारों, मूल्यों और दृष्टिकोण को परिष्कृत करता है, तभी वह समाज और संगठन को सशक्त रूप से दिशा दे सकता है। इसके साथ विकेन्द्रित नियोजन का सिद्धांत यह सिखाता है कि नेतृत्व एक व्यक्ति तक सीमित न रहकर, सामूहिक भागीदारी में पनपना चाहिए।

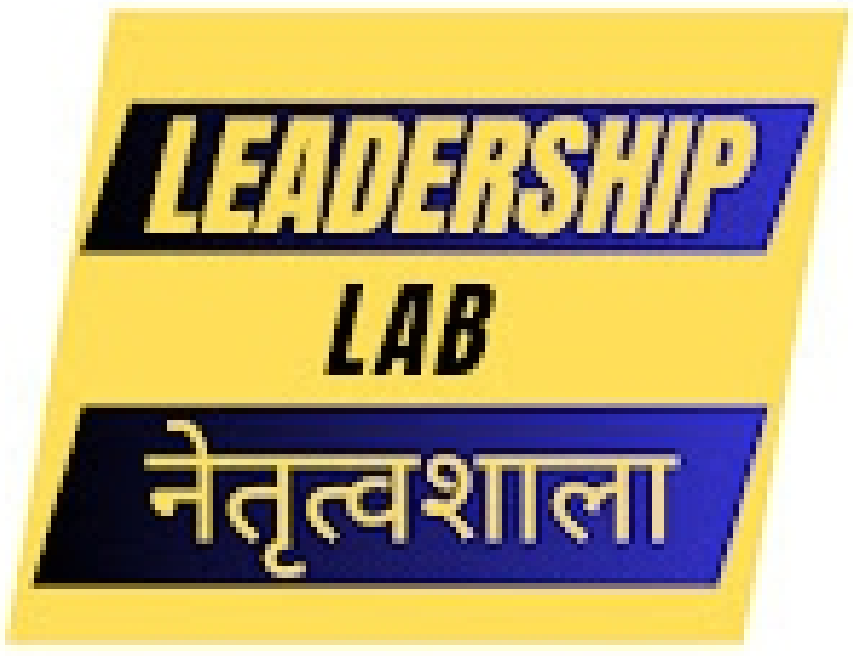

स्थानिक नेतृत्व और स्थानिक संगठन एवं स्थानिक कार्य नियोजन नेतृत्वशाला के वे स्तंभ हैं जो यह सुनिश्चित करते हैं कि नेतृत्व जड़ों से जुड़ा हो, स्थानीय जरूरतों और संस्कृतियों को समझते हुए वैश्विक दृष्टिकोण अपनाए।

इतिहास और विचारधारा में नेतृत्व के अनेक सिद्धांत मिलते हैं — महान व्यक्ति का सिद्धांत हमें यह बताता है कि नेतृत्व जन्मजात गुणों से उत्पन्न हो सकता है, लेकिन आधुनिक दृष्टिकोण यह भी मानता है कि सही प्रशिक्षण, अनुभव और अवसर से कोई भी व्यक्ति नेतृत्व की क्षमता विकसित कर सकता है।

आज हमें ऐसी नेतृत्वशालाओं की आवश्यकता है, जो केवल भाषण या उपदेश न दें, बल्कि वास्तविक जीवन के अनुभव, अनुशासन और नवाचार के माध्यम से नए नेतृत्व को तैयार करें। ऐसे व्यक्ति जो न केवल संगठनों को, बल्कि समाज को भी नई दिशा देने में सक्षम हों।

नेतृत्वशाला केवल एक संस्थान नहीं, बल्कि एक सतत प्रक्रिया है — एक ऐसी पाठशाला, जहाँ किताबों के साथ-साथ जीवन की चुनौतियाँ भी गुरु बनती हैं, और जहाँ हर विद्यार्थी एक दिन किसी और के जीवन में पथप्रदर्शक बनता है।

"नेतृत्वशाला: आत्मविकास से समाजविकास की ओर।"

— संपादक
डिजिटल न्यूजलेटर टीम
'विश्वत'

वृतांत

1. हरसूद में 4 जुलाई को किया प्रतिभा सम्मान समारोह, मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगा सम्मान का मंच

दैनिक भास्कर और डॉ. सीवी रमन यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में 4 जुलाई को हरसूद में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया । इसमें क्षेत्र के 10वीं और 12वीं के 500 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में सरकारी और निजी स्कूलों के छात्र-छात्राएँ भाग लेंगे। स्थानीय कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देंगे। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों की उपलब्धियों को मंच देकर शिक्षा के क्षेत्र में प्रेरणा देना है।

संपादकीय मंडल

संरक्षक : प्रो. (डॉ.)अरुण रमेश जोशी,
कुलगुरु, सी. वी. आर. यू. खंडवा,

प्रधान संपादक : श्री रवि चतुर्वेदी,
कुलसचिव, सी. वी. आर. यू. , खंडवा,

कार्यकारी संपादक : प्रो. नेहा शुक्ला, मुख्य प्रकाशन अधिकारी

सदस्य : 1. डॉ. सीमा शर्मा, डायरेक्टर रिसर्च एंड इनोवेशन
2. डॉ. गणेश मलगाया, डायरेक्टर केंद्रीय प्रयोगशाला समन्वयक
3. प्रो. योगेश महाजन, तकनीकी अधिकारी, कुलगुरु सचिवालय

संकल्पना : श्री प्रमोद पटेल, ग्राफिक डिजाइनर
प्रकाशन विभाग

संचार एवं प्रसार : श्री मनदीप सिंह पंवार, अध्ययनशाला समन्वयक
आर्यभट्ट स्कूल ऑफ डिजिटल लर्निंग
श्री हमज़ा मलिक,

2. प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स का सम्मान अच्छी पहल : अग्रवाल दैनिक भास्कर और डॉ. सीवी रमन यूनिवर्सिटी ने हरसूद सहित अंचल की 20 स्कूलों के 650 विद्यार्थियों को किया सम्मानित

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा द्वारा दैनिक भास्कर के सहयोग से प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 12 जुलाई 2025 को किया गया। इस कार्यक्रम में बोर्ड परीक्षा (10वीं व 12वीं) में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों के साथ-साथ योग, न्याय, नृत्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नगर की विभिन्न प्रतिभाओं को एक मंच पर लाकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहीं।

3."डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय और दैनिक भास्कर: बोर्ड परीक्षा दसवीं और बारहवीं के प्रतिभाशाली बच्चों के साथ अन्य क्षेत्र की प्रतिभाओं का भी प्रोत्साहन "न्याय, नृत्य, योग, कला, संस्कृति के क्षेत्र में नगर का नाम रोशन करने वाले एक मंच पर आए"

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय एवं दैनिक भास्कर के संयुक्त तत्वावधान में हरसूद अंचल के 20 स्कूलों के 650 से अधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों काप्रतिभा सम्मान समारोहआयोजित किया गया। कार्यक्रम में बोर्ड परीक्षाओं के टॉपर्स के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव रवि चतुर्वेदी ने कहा कि सी.वी. रमन विश्वविद्यालय प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए सदैव तत्पर है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और शिक्षा क्षेत्र के विशिष्ट जनों की उपस्थिति रही।

4. डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय में ISRO वैज्ञानिक डॉ. मधुकांत पटेल का स्वागत, SHILP परियोजना का शुभारंभ

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा में 11-12 जुलाई 2025 को ISRO के वरिष्ठ वैज्ञानिकडॉ. मधुकांत पटेलकी उपस्थिति में SHILP परियोजना (Soil Health Improvement and Livelihood Promotion Program)का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में कुलपति डॉ. अरुण जोशी, कुलसचिव श्री रवि चतुर्वेदी सहित विभिन्न विभागों के शिक्षकों और छात्रों की उपस्थिति रही। पहले दिन परिचय, परियोजना प्रस्तुति, प्रयोगशाला भ्रमण, मृदा नमूना विश्लेषण और प्रेरक व्याख्यान जैसे सत्र आयोजित हुए। दूसरे दिन छात्रों द्वारा लाइव फील्ड विज़िट और प्रायोगिक गतिविधियाँ की गईं। कार्यक्रम का संयोजन श्री गोविंद देवड़ा, श्री आशीष राजपूत एवं प्रो. ज्योति गौर द्वारा किया गया।

वृतांत

5. डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ 2025-26 का भव्य आयोजन

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा में दीक्षारंभ कार्यक्रम 2025-26का तीन दिवसीय आयोजन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य नव प्रवेशित विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक संरचना से परिचित कराना रहा। पहले दिन कुलपति डॉ. अरुण जोशी व कुलसचिव श्री रवि चतुर्वेदी के प्रेरणादायक उद्बोधन हुए। दूसरे दिन सामाजिक सरोकार, एनएसएस, एनसीसी व शोध की संभावनाओं पर उपयोगी सत्र हुए। तीसरे दिन विद्यार्थियों को लाइब्रेरी, प्रयोगशालाओं, स्कॉलरशिप, रामन प्रज्ञा परीक्षा, IIC और करियर गाइडेंस से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। तीनों दिन विद्यार्थियों की उत्साहजनक भागीदारी देखने को मिली।

6. डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

छैगाँव माखन पुलिस द्वारा "नशे से दूरी है ज़रूरी" अभियान के तहत डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यालय डीएसपी अनिल चौहान एवं थाना प्रभारी विकास धरवे ने छात्रों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया। छात्रों को नशे की आदत से बचने और सतर्क रहने के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी गई। मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन और नारकोटिक्स हेल्पलाइन नंबर भी साझा किए गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं व पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर सभी ने नशा मुक्ति का संकल्प लिया।

7. डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा में "कैंसर: चलिए साथ समझें" विषय पर आयोजित हुई विशेषज्ञ वार्ता

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा में 18 जुलाई 2025 को "Cancer: Let's Know Together" विषय पर विशेषज्ञ वार्ता आयोजित हुई, जिसमें मुख्य वक्ता एचसीजी कैंसर सेंटर, इंदौर के सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. साकेत मित्तल रहे। उन्होंने कैंसर के प्रकार, प्रारंभिक पहचान, निवारक उपाय और नवीनतम उपचार विधियों पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु डॉ. अरुण रमेश जोशी ने की, जबकि कुलसचिव श्री रवि चतुर्वेदी ने इसे सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़ा महत्वपूर्ण प्रयास बताया। आयोजन का समन्वय डॉ. रोहन सिंह कुशवाह ने किया और संचालन डॉ. अनंशा जोशी ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्राध्यापक एवं स्टाफ की उपस्थिति रही।

8. डॉ. सी. वी. रामन विश्वविद्यालय में मेगा जॉब फेयर सफलता पूर्वक संपन्न बीस कंपनियों ने 700 से अधिकअभ्यर्थियों के लिए किए साक्षात्कार

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, खंडवा में आयोजित मेगा जॉब फेयर 2025 में 20 कंपनियों ने 700 से अधिक अभ्यर्थियों के साक्षात्कार लिए, जिनमें से लगभग 35% का चयन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला रोजगार अधिकारी श्री सिलोटे, विशेष अतिथि श्री उदीपन चटर्जी और अध्यक्षता कुलपति डॉ. अरुण जोशी ने की। इस अवसर पर आइसेक्ट प्लेसमेंट बुकलेट का लोकार्पण भी किया गया। रोजगार मेले में एसबीआई लाइफ, जन स्माल फाइनेंस बैंक, भारत फोर्ज लिमिटेड, ग्लेनमार्क, टाटा मोटर्स समेत कई कंपनियां शामिल हुईं। आयोजन में छात्रों और प्राध्यापकों ने मिलकर सफल संचालन किया।

नेतृत्वशाला : अन्तःजनित विकास की ओर एक पहल

डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय की नेतृत्वशाला एक ऐसा अभिनव प्रयास है, जो विद्यार्थियों और समाज के बीच आत्मविकास से समाजविकास की कड़ी जोड़ने का काम कर रही है। नेतृत्वशाला का मुख्य उद्देश्य यह है कि छात्र-छात्राएँ केवल ज्ञान अर्जित न करें, बल्कि नेतृत्वकर्ता के रूप में समाज की आवश्यकताओं को समझें और समाधान प्रस्तुत करें।

इस दृष्टिकोण को मूर्त रूप देने के लिए नेतृत्वशाला तीन प्रमुख आधारों पर कार्य कर रही है:

1. अन्तःजनित विकास

नेतृत्व की पहली सीढ़ी आत्मविकास है। जब व्यक्ति के भीतर आत्मअनुशासन, नैतिक मूल्यों और आत्मविश्वास का विकास होता है, तभी वह दूसरों के लिए पथप्रदर्शक बन सकता है। नेतृत्वशाला विद्यार्थियों को स्वयं को पहचानने, अपनी क्षमताओं को तराशने और अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए निरंतर प्रेरित करती है।

2. विकेन्द्रित नियोजन(स्थानिक कार्य नियोजन)

सशक्त नेतृत्व केवल एक व्यक्ति पर आधारित नहीं होता, बल्कि सामूहिक प्रयास से जन्म लेता है। विकेन्द्रित नियोजन के सिद्धांत पर चलते हुए नेतृत्वशाला छात्रों को यह सिखाती है कि योजनाएँ बनाने और निर्णय लेने की प्रक्रिया में सबकी सहभागिता आवश्यक है। इससे हर सदस्य जिम्मेदारी का अनुभव करता है और सामूहिक नेतृत्व का भाव विकसित होता है।

3. स्थानिक नेतृत्व

हर क्षेत्र की अपनी विशिष्ट परिस्थितियाँ और ज़रूरतें होती हैं। नेतृत्वशाला इस विचार को प्रोत्साहित करती है कि नेतृत्व केवल राष्ट्रीय या वैश्विक स्तर पर ही नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर भी महत्वपूर्ण है। छात्र-छात्राएँ अपने आसपास की चुनौतियों को समझकर, स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर, समाज की बेहतरी में योगदान दें – यही स्थानिक नेतृत्व का मूल है।

4. स्थानिक संगठन

किसी भी क्षेत्र की प्रगति तभी संभव है जब वहाँ के संगठन और समुदाय सशक्त हों। नेतृत्वशाला विद्यार्थियों को यह सिखाती है कि स्थानीय संगठनों को कैसे मजबूत किया जाए, उनमें भागीदारी कैसे बढ़ाई जाए और उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाए। यह सिद्धांत विद्यार्थियों को केवल "शिक्षार्थी" से "सामाजिक सहयोगी" बनने की दिशा में आगे बढ़ाता है।

नेतृत्वशाला इस विश्वास को साकार करती है कि सच्चा नेतृत्व भीतर से उत्पन्न होता है, और वही नेतृत्व समाज के हर स्तर पर स्थायी परिवर्तन ला सकता है।

नेतृत्व के सप्त सिद्धांत: प्रेरणा और परिवर्तन की राह

नेतृत्व केवल आदेश देने की क्षमता नहीं, बल्कि लोगों को जोड़ने, प्रेरित करने और परिस्थितियों को बदलने की कला है। डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय के डिजिटल न्यूज़ लेटर में इस अंक का विशेष विषय है – नेतृत्व के सात सिद्धांत, जो जीवन से जुड़ी कहानियों और उदाहरणों से हमें दिशा दिखाते हैं।

१. महान व्यक्ति का सिद्धांत

" नेतृत्वकर्ता पैदा होते हैं, बनाए नहीं जाते।"कुछ व्यक्तित्व जन्म से ही नेतृत्व का करिश्मा लेकर आते हैं।उनके व्यक्तित्व में ऐसा आकर्षण और अधिकार होता है कि लोग स्वतः ही उनके अनुयायी बन जाते हैं। उदाहरण: नेपोलियन बोनापार्ट और स्वामी विवेकानंद – जिनका व्यक्तित्व ही नेतृत्व की पहचान बना।

२. गुण का सिद्धांत

"नेतृत्व का आधार गुण हैं, न कि केवल पद।"
ईमानदारी, दूरदृष्टि, साहस और वैज्ञानिक सोच नेतृत्व को जन्म देते हैं।नेतृत्व केवल पद से नहीं, बल्कि गुणों से परिभाषित होता है। ईमानदारी, दूरदृष्टि, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और दृढ़ संकल्प ही पथप्रदर्शक को अलग बनाते हैं।

उदाहरण: होमी भाभा और सी.वी. रमन – जिन्होंने अपने गुणों से विज्ञान और समाज को नई दिशा दी।

३. व्यवहार का सिद्धांत

"नेतृत्वकर्ता का असली परिचय उसके कर्म और आचरण से होता है।"

विनम्र स्वभाव और अनुशासित व्यवहार ही उसे महान बनाता है।सच्चा नेतृत्वकर्ता अपने व्यवहार से पहचाना जाता है। उसका विनम्र स्वभाव, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण ही उसे महान बनाता है।

उदाहरण: डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम और सचिन तेंदुलकर – जिन्होंने अपने व्यवहार से करोड़ों दिलों को जीता।

४. परिस्थिति जन्य सिद्धांत

"परिस्थितियाँ ही नेताओं को गढ़ती हैं।"

कठिन समय पर सही निर्णय लेने वाला ही सच्चा नेतृत्वकर्ता बनता है।कभी-कभी समय और परिस्थितियाँ ही नेतृत्वकर्ता को गढ़ती हैं। सही समय पर खड़े होकर सही आवाज़ उठाना ही नेतृत्व है।

उदाहरण: महात्मा गांधी और अन्ना हजारे – जिन्होंने कठिन परिस्थितियों को अवसर में बदलकर समाज को जागरूक किया।

५. आकस्मिकता का सिद्धांत

"कभी-कभी नेतृत्व योजनाबद्ध नहीं, आकस्मिक होता है।"

अचानक की परिस्थितियाँ किसी को नेतृत्व की राह पर ला खड़ा करती हैं।नेतृत्व हमेशा योजनाबद्ध नहीं होता, कई बार अचानक घटित घटनाएँ किसी को नेता बना देती हैं।

उदाहरण: झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई – जिनकी वीरता आकस्मिक हालातों में प्रकट हुई और वे स्वतंत्रता संग्राम की अग्रणी बनीं।

६. विनिमय का सिद्धांत

" विश्वास और सहयोग ही नेतृत्व की सच्ची ताकत है।" नेतृत्वकर्ता और सहयोगी का रिश्ता परस्पर सहयोग और विश्वास पर आधारित होता है।नेता और अनुयायी के बीच का रिश्ता विश्वास और सहयोग पर आधारित होता है। यह नेतृत्व एक लेन-देन की तरह है – आपसी सहयोग से दोनों सशक्त बनते हैं।

उदाहरण: टाटा समूह के जमशेदजी टाटा – जिन्होंने अपने कर्मचारियों और समाज के साथ विश्वास का रिश्ता बनाया।

७. परिवर्तनकारी सिद्धांत

"सच्चा नेता वही है जो दूसरों में बदलाव की चिंगारी जगाए।" नेतृत्वकर्ता केवल दिशा नहीं देता, बल्कि समाज को सकारात्मक रूप से बदलता है।नेतृत्व का सर्वोच्च रूप वह है जो समाज और संगठन में सकारात्मक बदलाव लाए। ऐसा नेता प्रेरणा बनकर लोगों को नई दिशा देता है।

उदाहरण: नेल्सन मंडेला और स्वामी विवेकानंद – जिन्होंने विचार और कर्म से परिवर्तन की ज्योति जलाई।

"यह पठन सूची विद्यार्थियों के लिए नेतृत्व, संगठन और आत्मविकास को समझने का मार्गदर्शक है। इसमें चयनित पुस्तकें प्रेरणा, व्यवहारिक ज्ञान और स्थानीय से वैश्विक दृष्टि तक नेतृत्व के सूत्र प्रदान करती हैं।"

नेतृत्व व व्यक्तित्व विकास पर मार्गदर्शी पुस्तकें"

1. "लीडरशिप: थ्योरी एंड प्रैक्टिस" – पीटर जी. नॉर्थहाउस
(नेतृत्व के सिद्धांतों और मॉडल्स की सरल व स्पष्ट व्याख्या)
2. "स्टीव जॉब्स" – वॉल्टर आइज़ेक्सन
(नवाचार, स्थानिक नेतृत्व और परिवर्तनकारी सोच का प्रेरक उदाहरण)
3. "Ignited Minds / अग्नि की उड़ान" – डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम (आत्मविकास और सामाजिक नेतृत्व की प्रेरणा)
4. "Leaders Eat Last" – साइमन सिनेक
(सहयोगियों के साथ विश्वास और टीम भावना पर केंद्रित)

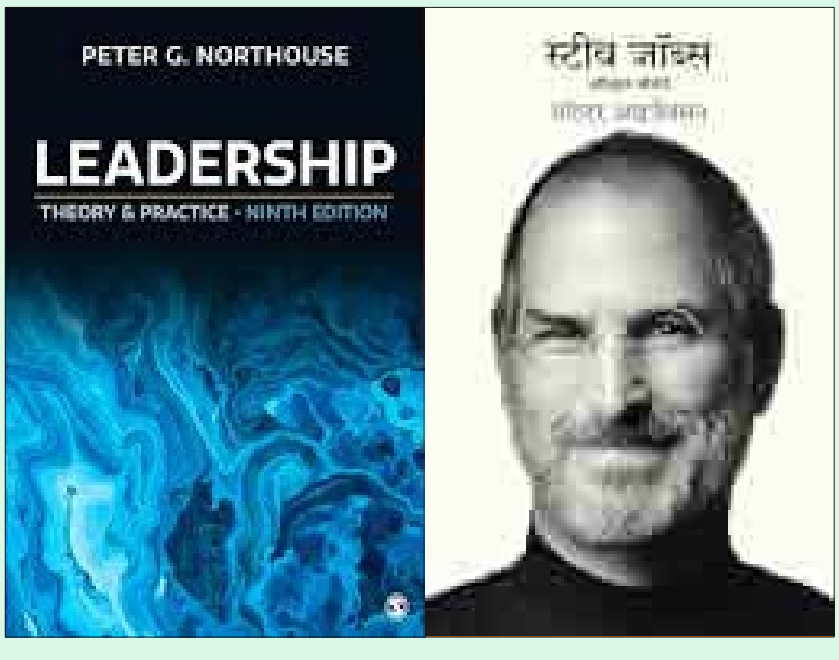

नेतृत्व व व्यक्तित्व विकास पर मार्गदर्शी पुस्तकें"

5. "The 7 Habits of Highly Effective People" – स्टीफन आर. कोवी
(आत्मविकास और नेतृत्व के व्यावहारिक सूत्र)

6. "Management: Tasks, Responsibilities, Practices" – पीटर एफ. ड्रकर
(विकेन्द्रित नियोजन और संगठन निर्माण पर क्लासिक पुस्तक)

7. "लोकनीति और स्वराज" – महात्मा गांधी
(स्थानिक नेतृत्व और विकेन्द्रित नियोजन की भारतीय दृष्टि)

8. "Our Iceberg Is Melting" – जॉन कोटर
(परिवर्तनकारी नेतृत्व को कहानी के रूप में समझाने वाली सरल पुस्तक)

9. "Creating Local Organization" – (विभिन्न केस स्टडीज़ आधारित पुस्तकें, NGO/Community Studies पर उपलब्ध)

10. "स्वामी विवेकानंद के नेतृत्व विचार" – विभिन्न संस्करण (आत्मबल, नैतिकता और युवाओं के लिए प्रेरणा)

11. "रघुवंशम" से नेतृत्व के आदर्श (काव्य साहित्य में निहित आदर्श नेतृत्व के उदाहरण)

12. "पंचायती राज और स्थानिक स्वशासन" – भारतीय प्रशासनिक साहित्य
(स्थानिक संगठन और विकेन्द्रित नेतृत्व के व्यावहारिक पहलू)

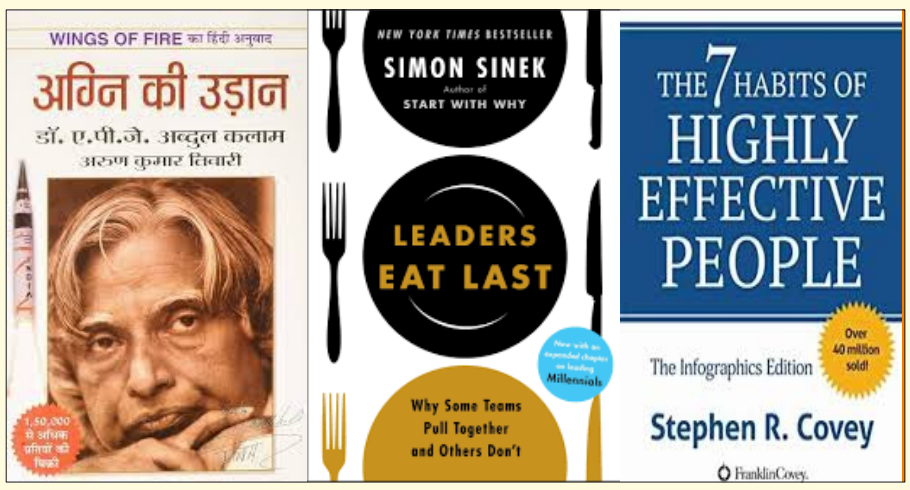

RNTU Rabindranath TAGORE UNIVERSITY MADHYA PRADESH, BHOPAL
TAGORE INTERNATIONAL LITERATURE & ARTS FESTIVAL
विश्व रंग
Indian culture. Global stage.
CVRU DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY Madhya Pradesh, Khandwa
हिन्दी ओलंपियाड 2025
14 से 30 सितंबर, 2025
"अपनी हिंदी भाषा की समझ को परखिए"
50 से अधिक देशों में आयोजन
₹1 करोड़ से अधिक के आकर्षक पुरस्कार
Student Registration
विश्वभर के छात्रों के लिए एक सुनहरा अवसर
Scan to Register
अभी पंजीयन कराएं
Registrations Open
01 से 31 जुलाई, 2025
Exam Date
14 से 30 सितंबर, 2025
विश्व रंग 2025 में भारत व विदेश के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।
www.vishwarang.com/hindi-olympiad